विद्या भवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

वर्ग -दशम

|| पाठ्य सहगामी अभिक्रिया ||

गतिविधि - ***आज के पाठ्य सहगामी अभिक्रिया कक्षा के अंतर्गत आपके पढ़ने के लिए एक कविता दी जा रही है, जिसे आप ध्यान पूर्वक पढ़ेंगे तथा कवि की सोच को समझने का प्रयास करेंगे । जैसे ही कविता आपकी समझ में आएगी आपके अंदर एक सवाल उठेगा । हर एक के अंदर उसकी अपनी प्रकृति के अनुसार प्रश्न कौंधेगा । आज की गतिविधि के अंतर्गत आपको अपने अंदर के***

सवालों के जवाब ढूंढने हैं और लिख कर हम तक भेजने हैं ,ताकि हम शिक्षक आप सबों को और करीब से जान पाएं । उम्मीद है आज का कार्य आपके लिए रोचक साबित होगा ।

धन्यवाद !

#एंटीबॉडी

सुनो ना

चलो एंटीबॉडी बनाते है

कुछ तरीके तुम्हें बताते है

सुनना जरा ध्यान से

अमल करना बड़े प्यार से

कभी दोस्तों को गुदगुदा दो

बेवजह ही फोन खनखना दो

मैं हुं न तेरे लिए....

ये अहसास उसे करा दो

कभी अपनों से प्यार जता दो

एक फूल उसके बालों में सजा दो

बच्चों संग बंदर बन जाओ

उनके किस्सों पर खिलखिलाओ

कभी चेस में शर्त लगाओ

जीतने पर जोर से चिल्लाओ

तेज म्यूजिक बजाओ

तो कभी वाथरूम में गुनगुनाओ

कभी स्कूल का टाइम याद कर लो

उन दोस्तो को फेसबुक पर टैग कर लो

कभी चुपके वाली दोस्ती याद आएं

तो अपने -आप मुस्कुराओ

सच में ये सब एंटीबॉडी बनाती है

खुद को अच्छा फील करती है

यकीन न हो तो आजमाना

और एक फोन मुझे भी खनखनाना

स्वरचित 🌹

नीलम गुप्ता